

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क,ख,ग,और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
7. पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

खण्ड-क

[अपठित अंश]

- प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

[10]

एक चोर किसी मंदिर का घंटा चुराकर ले गया था। वन में जाते हुए उसका सामना बाघ से हो गया और चोर बाघ के द्वारा मारा गया। उसी वन में वह घंटा बंदरों के हाथ में पड़ गया। वन बहुत घना था। बंदर झाड़ियों के अंदर रहते थे। जब उनकी मौज होती, वे घंटा बजाते।

घंटे की आवाज सुनकर समीप के नगर में यह अफवाह फैल गयी के जंगल में भूत रहता है और उसका नाम घंटाकरण है। उसके कान घंटे के समान हैं,

जब वह हिलता है, तो कानों से घंटे की आवाज आती है। इस अफवाह से लोग ऐसे भयभीत हुए कि जंगल की ओर भूलकर भी कोई न जाता था। सब जंगल से दूर-दूर ही रहते थे। जंगल से लकड़हारे लकड़ियाँ न लाते थे, चरवाहे जंगल में पशुओं को चराने न ले जाते थे। किसी में इतना हौसला न था कि जंगल में जाने का प्रयत्न कर पाता।

इस प्रकार सारे का सारा जंगल किसी भी काम में न आकर कल्पित घंटाकरण भूत की राजधानी बन गया। अब तो राजा को भी बड़ी चिंता हुई। उसने सयानों और जादूगरों को इकट्ठा किया और कहा कि भाई इस भूत को जंगल से निकालो, वरना सारा जंगल और हजारों रुपये की सालाना आमदनी बेकार हाथ से जा रही है।

सब लोगों ने अपने-अपने उपाय करने प्रारंभ किए। पंडितों ने चंडी का जाप किया, हनुमान चालीसा का पाठ किया। मुल्लाओं ने कुरान का पाठ आरंभ किया। किसी ने भैरों को याद किया, किसी ने काली माता की मन्नत की, किसी ने पीर-पैगंबर को मनाया, किसी ने जादू-टोना किया। इस पर भी घंटाकरण किसी के काबू में न आया। घंटे का शब्द सदा की भाँति सुनाई देता रहा और लोग समझते रहे घंटाकरण घंटा बजा रहा है।

तभी एक चतुर मनुष्य उधर कहीं से आ निकला। वह भूत-प्रेत, चंडी-मुंडी, पीर-पैगंबर, जादू-टोने आदि कपोल-कल्पित मिथ्या बातों पर विश्वास नहीं करता था। उसने विचारा कि वन में हो न हो कोई विशेष बात होगी। संभव है कि वन में डाकू रहते होंगे और उन्होंने वन को अपने रहने के लिए सुरक्षित बनाने को यह पाखंड रचा हो या कहीं बंदरों के हाथ में घंटा न पड़ गया हो। ऐसा दृढ़ निश्चय कर वह चतुर मनुष्य साधु का वेश धर कर जंगल में घुसा। अंदर जाकर देखा, तो उसने अपने अनुमान को सही पाया। लौटकर उसने नगर निवासियों से कहा, “भाइयो ! मैंने भूत को पकड़ने का उपाय

विचार लिया है। आप लोग मुझे एक गाड़ी भुने चने दें, तो मैं कल ही भूत को पकड़ लेता हूँ।”

नगर के निवासी और राजा भूत के नाश के लिए सब कुछ करने को तैयार थे, झटपट सब सामान इकट्ठा कर दिया। चतुर मनुष्य ने जंगल में जाकर चने बंदरों के आगे डाल दिए। इधर सब बंदर चने खाने में लगे, उधर उसने घंटा उठा कर नगर की राह ली। अब क्या था, सारे नगर में और राजसभा में उस चतुर मनुष्य को बड़ा आदर मिला, फिर उसने सब भेद खोलकर लोगों के मिथ्या विश्वास को तोड़ा। उन्हें भ्रम के भूत से मुक्ति दिलाई।

इस कहानी के समान अनेक बातों के भ्रम में पड़कर मनुष्य ने भूत-प्रेत, जादू-टोना आदि अनेक प्रकार की कल्पनाएँ कर ली हैं। लोग भय और मिथ्या विश्वास के कारण वास्तविकता का पता नहीं लगाते हैं और झूठे उपाय कर-करके थकते हैं। वास्तव में भूत-प्रेत आदि यह सब ठग-लीला है। जादू-टोने सब लूटने-खाने के बहाने हैं। इनसे सदा बचने में ही मानव की भलाई है। मिथ्या विश्वास से ही मनुष्य तरह-तरह के कष्टों में पड़ जाता है। अतः यथासंभव मिथ्या विश्वास दूर करने का प्रयत्न करना चाहिए।

1. नगर में क्या अफवाह फैल गई थी और इस अफवाह का क्या कारण था? [2]
2. जंगल किसकी राजधानी बन गया था? इससे नगर निवासियों पर क्या प्रभाव पड़ा? [2]
3. राजा की चिंता का क्या कारण था? भूत को जंगल से निकालने के क्या-क्या उपाय किए गए? [2]
4. चतुर मनुष्य का क्या अनुमान था? उसने नगर निवासियों को भूत से किस प्रकार मुक्ति दिलाई? [2]
5. प्रस्तुत गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिली? [1]

खण्ड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. शब्द किसे कहते हैं?

[2]

प्र. 3. निम्नलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

[3]

(क) व्यायाम करो। स्वस्थ रहो। (संयुक्त वाक्य में रूपांतरित कीजिए।)

(ख) आप द्वार पर बैठें। उसकी प्रतीक्षा करें। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ग) बालक रोता रहा और चुप हो गया। (सरल वाक्य में बदलिए)

प्र. 4. (क) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए।

[2]

- त्रिरंगा
- श्वेताम्बर

(ख) निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए।[2]

- चार हैं भुजाएँ जिसकी अर्थात् विष्णु
- नीली है जो गाय

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों के शुद्ध रूप में लिखिए।

[4]

(क) मेरे को किसी की चिंता नहीं।

(ख) वह दिनों-रात काम करता है।

(ग) हम आपके घर कल आएगा।

(घ) मेरे से पढ़ा नहीं जाता।

प्र. 6. उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति करें।

[4]

1. अगर मेहनत नहीं करोगे तो सपने _____ जाएँगे।
2. जब चापलूस रिश्तेदारों ने उसकी सारी संपत्ति हड़प ली तब उसकी _____
3. दुष्ट रामू से _____ तो बहुत मुश्किल है।
4. अब तो यही बात हो गई कि कोई भी _____ और उपदेश देने लगेगा।

खण्ड - ग

[पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक]

प्र. 7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [2+2+2=6]

- (क) वामीरो ने तताँरा को बेरुखी से क्या जवाब दिया।
- (ख) धर्मतल्ले के मोड़ पर आकर जुलूस क्यों टूट गया?
- (ग) दूसरी बार पास होने पर छोटे भाई के व्यवहार में क्या परिवर्तन आया?
- (घ) अरब में लशकर को नूह के नाम से क्यों याद करते हैं?

प्र.8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। [5]

1. लेखक रवीन्द्र केलकर के अनुसार सत्य केवल वर्तमान है, उसी में जीना चाहिए। लेखक ने ऐसा क्यों कहा होगा? स्पष्ट कीजिए।
2. कारतूस' पाठ के आधार पर लिखिए कि जांबाज़ के जीवन का लक्ष्य अंग्रेजों को इस देश से बाहर करना था।

प्र.9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए। [2+2+2=6]

- (क) मीराबाई की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

(ख) कविता में तोप को दो बार चमकाने की बात की गई है। ये दो अवसर कौन-से होंगे?

(ग) अपने स्वभाव को निर्मल रखने के लिए कबीर ने क्या उपाय सुझाया है?

(घ) 'आत्मत्राण' कविता की पंक्ति 'तव मुख पहचानूँ छिन-छिन में' का भाव अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

प्र. 10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। [5]

1. कवि ने तालाब की समानता किसके साथ दिखाई है और क्यों?
2. भाव-भक्ति की जागीर क्यों कहा गया? उसके लिए क्या आवश्यक है? मीरा के पद के आधार पर लिखिए।

प्र.11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [6]

1. एक ही कक्षा में दो-दो बार बैठने से टोपी को किन भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ा? [5]
2. आज की शिक्षा-व्यवस्था में विद्यार्थियों को अनुशासित बनाए रखने के लिए क्या तरीके निर्धारित हैं? 'सपनों के-से दिन' पाठ में अपनाई गई विधियाँ आज के संदर्भ में कहाँ तक उचित लगती हैं? जीवन-मूल्यों के आलोक में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड - घ

[लेखन]

प्र.12. दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए: [6]

- त्योहारों का महत्त्व

- भारतीय तथा पाश्चात्य संस्कृति
- विज्ञापनों का महत्व

प्र. 13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में पत्र लिखें। [5]

1. आपकी कॉलोनी में कुछ असामाजिक तत्व (Antisocial elements) आकर बस गए हैं। उनकी गुंडागर्दी बढ़ने के कारण नागरिकों का जीवन कठिन हो गया। अपने शहर के पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर उनकी शिकायत कीजिए तथा सुव्यवस्था के लिए शीघ्र कदम उठाए जाने की प्रार्थना कीजिए।
2. आपका छोटा भाई पढ़ाई में बिलकुल ध्यान नहीं दे रहा है। वह न तो विद्यालय में पढ़ता है और न घर पर। इस बार परीक्षा में उसके अंक भी बहुत कम आए हैं। अतः पढ़ाई का महत्व समझाते हुए पत्र लिखिए।

प्र. 14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 40 से 50 शब्दों में सूचना लिखें। [5]

1. छात्र-परिषद की बैठक के लिए सूचना-पत्र लिखिए।
2. विद्यालय में आनंद मेले के आयोजन के लिए सूचना तैयार करें।

प्र. 15. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 50-60 शब्दों में संवाद लिखें। [5]

1. मालिक और कर्मचारी के बीच हो रहा संवाद लिखिए।
2. फूल बेचनेवाला और एक बूढ़े व्यक्ति के बीच हो रहा संवाद लिखिए।

प्र. 16. निम्नलिखित विज्ञापनों में से किसी एक विज्ञापन का आलेख 50 शब्दों में तैयार कीजिए। [5]

1. परफ्यूम का विज्ञापन तैयार कीजिए।
2. साइकिल का विज्ञापन तैयार कीजिए।